भारत - मिस्र संबंध

भारत और मिस्र, दुनिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताओं ने, प्राचीन काल से ही निकट संपर्क के इतिहास का आनंद लिया है। यहां तक कि सामान्य युग से पूर्व में भी, अशोक के शिलालेखों में टॉलेमी द्वितीय के अधीन मिस्र के साथ अपने संबंधों का भी संदर्भ मिलता है। आधुनिक समय में, महात्मा गांधी और साद ज़ाघलाउल ने अपने देश की स्वतंत्रता के लिए समान लक्ष्यों को साझा किया, जमाल अब्देल नासेर और जवाहरलाल नेहरूके बीच हुई असाधारण मित्रता 1955 में दोनों देशों के बीच हुई मैत्री संधि के रूप में फलित हुई। गुट निरपेक्ष आंदोलन इस संबंध का एक स्वाभाविक सहवर्ती रूप था।

राजनीतिक संबंध

भारत और मिस्र के बीच घनिष्ठ राजनीतिक सूझबूझ है जो संपर्कों के लंबे इतिहास तथा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर सहयोग पर आधारित है। हमारे संबंधों एक नई गति तथा इसे उच्च स्तर पर ले जाने की एक साझी इच्छा है। 1980 के दशक के बाद से, मिस्र में भारत से चार प्रधानमंत्री पद का दौरा किया गया है: श्री राजीव गांधी (1985); श्री पी वी नरसिंह राव (1995); श्री इन्द्र कुमार गुजराल (1997); और डॉ मनमोहन सिंह (2009, गुट निरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन)। मिस्र की ओर से राष्ट्रपति हुस्नी मुबारक ने 1982 में, 1983 में (गुट निरपेक्ष शिखर बैठक के लिए) और फिर 2008 में भारत का दौरा किया। 2011 मिस्र की क्रांति के बाद मिस्र के साथ उच्च स्तरीय आदान-प्रदान जारी रखा तथा राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी ने मार्च 2013 में भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री ने मार्च 2012 में और अगस्त 2015 में कैरो का दौरा किया तथा मिस्र के विदेश मंत्री ने दिसंबर 2013 में भारत का दौरा किया।

वर्ष 2015 में दोनों देशों के बीच अधिक गहन राजनीतिक सहयोग देखने को मिला है तथा नेतृत्व एवं मंत्री स्तर पर नियमित बातचीत हुई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर, 2015 में न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में राष्ट्रपति सीसी के साथ बैठक की। उनकी बातचीत आतंकवाद की खिलाफत, आर्थिक भागीदारी को गहन करने तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर केन्द्रित थी। प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति मुखर्जी ने अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली में तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के दौरान राष्ट्रपति सीसी से मुलाकात की।

2015 में भारत की ओर से मंत्री स्तर पर भी मिस्र की 5 यात्राएं हुईं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं : श्री प्रकाश जावेड़कर ने मार्च 2015 में पर्यावरण पर 15वीं अफ्रीकी मंत्री स्तरीय बैठक (ए एम सी ई एन) में भाग लिया; प्रधानमंत्री के विशेष दूत श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने जुलाई 2015 में राष्ट्रपति सीसी से मुलाकात की; जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी ने अगस्त 2015 में नई स्वेज नहर के उद्घाटन के अवसर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्रपति सीसी से मुलाकात की; तथा विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने अगस्त 2015 में कैरो का दौरा किया तथा राष्ट्रपति सीसी, विदेश मंत्री और अरब राज्य लीग के महासचिव से मुलाकात की (इस यात्रा के दौरान पर्यटन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर दो एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए); संसदीय तथा अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने नवंबर 2015 में लुकसोर, मिस्र में इस्लामिक मामलों की सुप्रीम परिषद के 25वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डा. अरविंद गुप्ता ने जुलाई 2015 में मिस्र का दौरा किया तथा मिस्र के अपने समकक्ष के साथ बातचीत की। मिस्र की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुश्री अबोऊ अल नागा ने दिसंबर 2015 में नई दिल्ली में एन एस ए तथा बैठक के दौरान रक्षा सचिव से मुलाकात की और दोनों देशों के एन एस सी के सचिवालयो के बीच सहयोग पर एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश कार्यालय परामर्श का 11वां दौर दिसम्बर, 2015 में नई दिल्ली में आयोजित हुआ।

आर्थिक संबंध

मिस्र परंपरागत रूप से अफ्रीकी महाद्वीप में भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों में से एक रहा है। भारत-मिस्र द्विपक्षीय व्यापार समझौते मार्च 1978 से चलाया जा रहा है तथा सबसे पसंदीदा राष्ट्र खंड पर आधारित है। कुल द्विपक्षीय व्यापार जो वर्ष 2009-10 में 3 बिलियन अमरीकी डॉलर था, वर्ष 2014-15 में बढ़कर 4.89 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है, इस प्रकार इसमें लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत व्यापार में मिस्र का छठां सबसे बड़ा भागीदार है - भारत मिस्र के लिए निर्यात का तीसरा सबसे बड़ा गंतव्य तथा आयात के लिए 11वां स्त्रोत है। वित्तिय वर्ष 2014-15 में मिस्र से भारत में 1.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ है। चालू वित्त वर्ष के दौरान मिस्र में भारत का 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान शीर्ष पांच भारतीय निर्यातों में खनिज ईंधन, मांस, वाहन एवं पुर्जे, काटन यार्न और जैविक रसायन शामिल थे, जबकि भारत के शीर्ष 5 आयातों में क्रूड पेट्रोलियम, राक फास्फेट, अजैविक रसायन, काटन और फल शामिल थे।

लगभग 3 बिलियन अमरीकी डालर के संयुक्त निवेश के साथ 50 भारतीय कंपनियां मिस्र में प्रचालन कर रही हैं। लगभग आधी कंपनियां संयुक्त उद्यम या पूर्णत: स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनियां हैं, शेष कंपनियां अपने प्रतिनिधि कार्यालयों के माध्यम से प्रचालन कर रही हैं तथा सरकारी संगठनों के लिए परियोजनाएं निष्पादित करती हैं। मिस्र में प्रमुख भारतीय निवेशों में टी सी आई संमार (लगभग 1.2 बिलियन अमरीकी डालर), एलेक्जेंड्रिया कार्बन ब्लैक, डाबर इंडिया, मिस्र - भारत पालिस्टर कंपनी (ई आई पी ई टी) और एस सी आई बी पेंट शामिल हैं। भारतीय कंपनियां रेलवे सिग्नल, प्रदूषण नियंत्रण, जल शोधन, सिंचाई, घर्षण रोधी डिवाइस आदि में परियोजनाएं भी निष्पादित करती हैं। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की प्रमुख भारतीय कंपनी हीटरो ड्रग्स लिमिटेड ने मई 2015 में हेपटाइटिस सी के उपचार में प्रयुक्त होने वाली एक औषधि के उत्पादन के लिए एक संयुक्त उद्यम शुरू किया जिसकी मिस्र सरकार द्वारा बहुत प्रशंसा की गई। भारतीय कंपनियों की मौजूदगी परिधान, कृषि, रसायन, ऊर्जा, आटोमोबाइल, रिटेल तथा अन्य क्षेत्रों में है। कुल मिलाकर, ये कंपनियां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 35,000 मिस्रवासियों को रोजगार प्रदान करती हैं।

भारत में मिस्र के निवेशों में एल्सवेडी इलेक्ट्रोमीटर (नोएडा में 30 मिलियन अमरीकी डालर), के ए पी सी आई कार पेंट (कर्नाटक में 20 मिलियन अमरीकी डालर) और बिटुमोड वाटरप्रूफिंग (दाहेज में 3 मिलियन अमरीकी डालर) शामिल हैं।

इस समय भारत मिस्र को कोई ऋण सहायता नहीं दे रहा है। सहायता अनुदान की परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं : आगावीन गांव में सोलर विद्युतीकरण; शोबरा में टेक्सटाइल प्रौद्योगिकी के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र; और अलक्जेंड्रिया विश्वविद्यालय में अखिल अफ्रीकी टेली मेडिसिन और टेली एजुकेशन परियोजना।

तकनीकी सहयोग और सहायता द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख हिस्सा रहा है। 2014-15 में आई टी ई सी तथा अन्य कार्यक्रमों के तहत भारत ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 124 मिस्रवासियों का चयन किया गया। वैज्ञानिक सहयोग के क्षेत्र में आई सी ए आर तथा मिस्र कृषि अनुसंधान केन्द्र कृषि अनुसंधान तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में काम कर रहे हैं और द्विवार्षिक कार्यपालक कार्यक्रमों के माध्यम से इनको कार्यान्वित किया जा रहा है।

सांस्कृतिक संबंध :

1992 में काहिरा में सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सी ई पी) के कार्यान्वयन के माध्यम से, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय संस्कृति के लिए मौलाना आजाद सेंटर (एम ए सी आई सी) स्थापित किया गया था। हिन्दी, उर्दू, योग और ध्यान की कक्षाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाने के अलावा यह केंद्र नृत्य कक्षाओं और प्रदर्शनियों एवं सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन भी करता है।

'इंडिया बाई दि नील' (आई बी एन) वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव मिस्र में सबसे बड़े विदेशी महोत्सव के रूप में उभरा है। आई बी एन 2015 का उद्घाटन अमिताभ बच्चन द्वारा किया गया तथा इसमें मणिपुरी लोकनृत्य, शिल्प प्रदर्शनी, योग एवं आयुर्वेद, बालीवुड म्यूजिक, भारतीय फ्यूजन म्यूजिक, स्ट्रीट फूड फेस्टिवल, फिल्मों का प्रदर्शन, लेखक कार्यशाला तथा अनेक अन्य कार्यक्रम शामिल थे जिनको सार्वजनिक - निजी साझेदारी के सिद्धांत पर संकल्पित एवं आयोजित किया गया।

भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों ने अंतर्राष्ट्रीय ढोल एवं परंपरागत कला महोत्सव, शमा अंतर्राष्ट्रीय गायन एवं आध्यात्मिक संगीत महोत्सव तथा अंतर्राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति महोत्सव में भी भाग लिया है। आउटरिच से संबंधित अपनी गतिविधियों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र मिस्र प्रांतों एवं विश्वविद्यालयों में भारतीय दिवसों का भी आयोजन करता है। मिस्र में योग बहुत लोक प्रिय हो गया है तथा अन्य शहरों में योग केंद्रों के अलावा कैरो में 14 योग विद्यालय हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे जोश के साथ मनाया गया। परंपरागत दवाओं में भी रूचि बढ़ रही है।

भारत और मिस्र के बीच मजबूत संबंध भारत की आबादी के बीच स्नेह से स्पष्ट स्पष्ट सबूत है। काहिरा में तीन सड़कों के नाम भारतीय नेताओं अर्थात महात्मा गांधी, पंडित नेहरू और डॉ जाकिर हुसैन के नाम पर हैं। महात्मा गांधी जी की दो आवक्ष प्रतिमाएं हैं - एक कैरो में सुप्रिम संस्कृति परिषद में और दूसरी अलेक्जेंड्रिया में बिब्लियोथेका अलेक्जेंड्रिया में।

भारतीय समुदाय

इस समय मिस्र में भारतीय समुदाय की संख्या 3600 के आसपास है जिनमें से अधिकांश कैरो में रहते हैं। एलेक्जेंड्रिया, पोर्ट सेड तथा इस्माइला में भी थोड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है। अधिकांश भारतीय या तो भारतीय कंपनियों में काम करते हैं या फिर विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ प्रोफेशनल के रूप में काम कर रहे हैं। मिशन मिस्र में भारतीय सामुदायिक संघ (आई सी ए ई) को सहायता प्रदान करता है तथा समुदाय के सदस्यों के साथ निकटता से काम करता है।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधिया और समझौते

- मैत्री की संधि (1955)
- व्यापार करार (1978)
- संयुक्त आयोग की स्थापना पर समझौता (1983)
- अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और ट्रांस राष्ट्रीय मुकाबला तथा संगठित अपराध पर समझौता (1995)
- पर्यटन सहयोग पर समझौता (1997)
- भागीदारी समझौता (2006)
- प्रत्यर्पण संधि (2008)
- व्यापार और तकनीकी सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2008)
- शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए पर बाह्य अंतरिक्ष का प्रयोग और अन्वेषण के लिए सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2008)
- स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2008)
- नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2011)
- पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2012)
- चुनावी प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2012)
  (2012)
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन(2013)
- साइबर सुरक्षा में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2013)
- आईटी में उत्कृष्टता के लिए एक केंद्र की स्थापना पर समझौता ज्ञापन (2013)
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (2013)
- सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, परिरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू (2013)

- कैरो में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र के उन्नयन पर समझौता ज्ञापन (2013)
- सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग पर आशयपत्र (2013)
- भारतीय पीएसएलवी बोर्ड पर मिस्र के नैनो उपग्रह के लिए लांच सेवाओं के विषय में आशयपत्र (2013)
- भारत सरकार और मिस्र के अरब गणराज्य की सरकार के बीच वायु यातायात प्रबंधन पर समझौता ज्ञापन (अगस्त 2014)
- 2015-2018 की अवधि के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर कार्यकारी कार्यक्रम (दिसम्बर 2014)
- राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र (एन आर सी), मिस्र और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) के बीच वैज्ञानिक सहयोग पर एम ओ यू (अगस्त 2015)
- पर्यटन सहयोग पर समझौता ज्ञापन (अगस्त 2015)
- भारत और मिस्र की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के सचिवों के बीच सहयोग पर एम ओ यू (दिसंबर 2015)

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, काहिरा वेबसाइट:
www.indembcairo.com
भारतीय दूतावास, काहिरा फेसबुक पृष्ठ
https://www.facebook.com/IndiaInEgypt?fref=ts
भारतीय दूतावास, काहिरा का ट्विटर अकाउंट:
https://twitter.com/indembcairo
भारतीय दूतावास, काहिरा यू ट्यूब चैनल:
https://www.youtube.com/user/IndianEmbassyCairo

*****

जनवरी, 2016